नईदुनिया

गाजा और फलस्तीन में सैन्य कार्रवाई के विरोध में यूरोपीय संघ से समझौते की समीक्षा की मांग

इजरायल को अलग-थलग करने की मांग तेज, यूरोप में 11 लाख ने किए हस्ताक्षर



तेल अवीव, एजेंसीः गाजा और फलस्तीनी क्षेत्रों में इजरायल की सैन्य कार्रवाई को लेकर यूरोप में विरोध तेज होता जा रहा है। इजरायल को अलग-थलग करने की मांग के बीच यूरोपीय संघ के साथ उसके समझौते की समीक्षा की मांग उठी है। इस मांग के समर्थन में करीब 11 लाख लोगों ने याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं।

याचिका के माध्यम से यूरोपीय संघ से इजरायल के साथ हुए समझौते पर दोबारा विचार करने की अपील की गई है। हस्ताक्षर करने वाले लोगों का मानना है कि गाजा और फलस्तीनी क्षेत्रों में इजरायल की कार्रवाई को देखते हुए उसके साथ मौजूदा संबंधों और समझौतों की समीक्षा की जानी चाहिए। इस मुद्दे पर यूरोप के विभिन्न हिस्सों में लोगों के बीच असंतोष सामने आ रहा है। याचिका पर बड़ी संख्या में हुए हस्ताक्षर इस बात का संकेत हैं कि इजरायल की सैन्य कार्रवाई को लेकर यूरोपीय नागरिकों के एक बड़े वर्ग में नाराजगी है। इसके चलते यूरोपीय संघ पर भी इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करने का दबाव बढ़ सकता है।

यूरोपीय संघ और इजरायल के बीच हुए समझौते को लेकर उठी यह मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब गाजा और अन्य फलस्तीनी क्षेत्रों में इजरायल की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है। इस कार्रवाई को लेकर कई देशों और संगठनों की ओर से पहले भी चिंता जताई जाती रही है।

याचिका पर 11 लाख लोगों के हस्ताक्षर होने के बाद अब इस मांग को लेकर यूरोपीय संघ के स्तर पर आगे की प्रक्रिया पर नजर रहेगी।

समझौते की समीक्षा की मांग का उद्देश्य इजरायल के साथ यूरोपीय संघ के संबंधों पर पुनर्विचार करना है। हालांकि, याचिका पर हस्ताक्षर होने का अर्थ यह नहीं है कि समझौता स्वत: समाप्त हो जाएगा। इस मांग पर आगे क्या निर्णय लिया जाता है, यह यूरोपीय संघ की प्रक्रिया और संबंधित संस्थाओं के रुख पर निर्भर करेगा। फिलहाल, इजरायल की कार्रवाई को लेकर यूरोप में उठ रही आवाज ने इस मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया है।

अरुणाचल में 9186 फीट की ऊंचाई पर मिली फूलों की नई प्रजाति

चांगलांग जिले में खोजा गया डिस्पोरोप्सिस क्रिस्पाटा नाम का पौधा, देश में पहली बार हुई पहचान



नईदुनिया ब्यूरो, ईटानगरः अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में फूलों की एक नई प्रजाति की खोज की गई है। समुद्र तल से 9186 फीट की ऊंचाई पर मिले इस पौधे का नाम डिस्पोरोप्सिस क्रिस्पाटा रखा गया है। इसे देश में पहली बार खोजी गई नई प्रजाति बताया गया है। यह खोज अरुणाचल प्रदेश की जैव विविधता के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राज्य का चांगलांग जिला अपनी प्राकृतिक संपदा और वनस्पतियों की विविधता के लिए जाना जाता है। यहां ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कई तरह के पौधे पाए जाते हैं। इसी क्षेत्र में वैज्ञानिकों को फूलों की इस नई प्रजाति की पहचान करने में सफलता मिली है। डिस्पोरोप्सिस क्रिस्पाटा की खोज से देश में वनस्पतियों की विविधता से जुड़ी जानकारी में एक और महत्वपूर्ण कड़ी जुड़ी है। किसी नई प्रजाति की पहचान से उसके प्राकृतिक आवास और वनस्पति संबंधी विशेषताओं को समझने में मदद मिलती है। 9186 फीट की ऊंचाई पर इस पौधे का मिलना क्षेत्र की विशिष्ट प्राकृतिक परिस्थितियों को भी दर्शाता है। ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान, नमी और पर्यावरण की परिस्थितियां अलग होती हैं। ऐसे क्षेत्रों में पाई जाने वाली वनस्पतियां अपनी विशेषताओं के कारण वैज्ञानिकों के लिए अध्ययन का विषय रहती हैं। अरुणाचल प्रदेश में फूलों की इस नई प्रजाति की खोज से पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध वनस्पति संपदा एक बार फिर चर्चा में आ गई है। चांगलांग जिले में हुई यह खोज देश की वनस्पति विविधता के दस्तावेजीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

चार दिन तक प्रवर्तन निदेशालय की अभिरक्षा में रहेंगे आजम खान



नईदुनिया ब्यूरो, लखनऊः समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय को उनसे पूछताछ के लिए चार दिन की अभिरक्षा मिल गई है। जांच एजेंसी अब उन्हें शुक्रवार को पूछताछ के लिए लखनऊ लेकर आएगी।

आजम खान से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पूछताछ की तैयारी की जा रही है। चार दिन की अभिरक्षा मिलने के बाद जांच एजेंसी को उनसे लगातार पूछताछ करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए उन्हें लखनऊ लाया जाएगा। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान उत्तर प्रदेश की राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं। उनके खिलाफ चल रही जांच के बीच प्रवर्तन निदेशालय की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जांच एजेंसी उनसे संबंधित मामले में विभिन्न पहलुओं पर सवाल कर सकती है। चार दिन की अभिरक्षा मिलने के बाद अब शुक्रवार से पूछताछ की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। एजेंसी इस दौरान मामले से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध जानकारी के आधार पर उनसे सवाल करेगी। आजम खान की अभिरक्षा को लेकर सामने आई इस खबर से उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी हलचल बढ़ गई है।

चारधाम यात्रा का समापन करीब, 16 नवंबर को बंद होंगे बदरीनाथ के कपाट

तीन धामों के कपाट पहले ही बंद, श्रद्धालुओं की संख्या के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा वर्ष 2026



नईदुनिया ब्यूरो, देहरादूनः वर्ष 2026 की चारधाम यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बंद हो चुके हैं। अब 16 नवंबर को बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा का समापन हो जाएगा। चारधाम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्तराखंड पहुंचे। यात्रा के तहत श्रद्धालुओं ने केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में दर्शन किए। अब तीन धामों के कपाट बंद होने के बाद केवल बदरीनाथ धाम में दर्शन का अवसर शेष है। शीतकाल के आगमन के साथ ही चारों धामों के कपाट परंपरागत रूप से बंद किए जाते हैं। इसके बाद इन धामों में नियमित दर्शन की प्रक्रिया अगले यात्रा सत्र तक स्थगित रहती है। इसी क्रम में केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट बंद किए जा चुके हैं।

बदरीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को बंद किए जाएंगे। इसके साथ ही वर्ष 2026 की चारधाम यात्रा पूरी हो जाएगी। यात्रा के समापन के साथ ही इस वर्ष तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही भी थम जाएगी। वर्ष 2026 की यात्रा श्रद्धालुओं की संख्या के लिहाज से महत्वपूर्ण रही। चारों धामों में दर्शन के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचे। यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों ने धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना की।

फिलहाल, बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की तैयारियों के बीच श्रद्धालुओं के पास दर्शन के लिए कुछ दिन शेष हैं। 16 नवंबर को कपाट बंद होने के बाद चारधाम यात्रा का इस वर्ष का सत्र समाप्त हो जाएगा।

आईआईटी खड़गपुर में अब इंजीनियरिंग के साथ होगी चिकित्सा की पढ़ाई

नईदुनिया ब्यूरो, खड़गपुरः देश के सबसे पुराने और पहले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आईआईटी खड़गपुर में अब इंजीनियरिंग के साथ चिकित्सा की पढ़ाई का अवसर भी मिलेगा। संस्थान में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट पीजी) को आधार बनाया जाएगा। आईआईटी खड़गपुर की इस पहल से चिकित्सा और प्रौद्योगिकी शिक्षा को एक साथ आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। संस्थान में अब तक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पढ़ाई के लिए पहचान रही है। चिकित्सा शिक्षा को शामिल करने से यहां अध्ययन के नए विकल्प उपलब्ध होंगे।

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश नीट पीजी के माध्यम से दिया जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया और पात्रता शर्तों का पालन करना होगा। चिकित्सा क्षेत्र में स्नातकोत्तर अध्ययन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए यह एक नया अवसर होगा।

आईआईटी खड़गपुर देश के प्रमुख तकनीकी शिक्षण संस्थानों में शामिल है। इसकी स्थापना के बाद से ही संस्थान ने इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। अब चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत संस्थान के शैक्षणिक दायरे को विस्तार देने की दिशा में एक नई पहल है।

इस बदलाव के साथ आईआईटी खड़गपुर में पढ़ाई के क्षेत्र में विविधता बढ़ेगी। इंजीनियरिंग और चिकित्सा शिक्षा के मेल से विद्यार्थियों को दोनों क्षेत्रों से जुड़ी पढ़ाई का अवसर मिल सकेगा।

न्यूयॉर्क में तीन मंजिला इमारत ढही मलबे से आठ लोगों के शव निकाले

ब्रुकलिन में निर्माण स्थल के पास हुआ हादसा, राहत और बचाव अभियान जारी



न्यूयॉर्क, एजेंसीः अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन में निर्माण स्थल के पास तीन मंजिला इमारत ढह गई। हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अब तक मलबे से आठ शव निकाले जा चुके हैं।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा निर्माण स्थल के पास हुआ, जहां अचानक तीन मंजिला इमारत ढह गई।

इमारत गिरने से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचे और मलबे में फंसे लोगों की तलाश शुरू की।

बचावकर्मियों ने मलबे को हटाकर वहां दबे लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया। इस दौरान अब तक आठ शव बरामद किए गए हैं। हादसे में कितने लोग प्रभावित हुए हैं, इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। मलबे के नीचे किसी अन्य व्यक्ति के दबे होने की आशंका को देखते हुए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बचाव दल सावधानी से मलबा हटाकर लोगों की तलाश कर रहे हैं। निर्माण स्थल के पास हुई इस घटना के कारण इमारत गिरने के कारणों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में हादसे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। फिलहाल, राहत और बचाव दल का ध्यान मलबे में फंसे संभावित लोगों को बाहर निकालने पर है। घटना में आठ शव मिलने के बाद क्षेत्र में चिंता का माहौल है। हादसे से जुड़े अन्य विवरण और इमारत गिरने के कारणों की जानकारी सामने आना बाकी है।

मरियम नवाज का दावा, पंजाब की पांच नदियों में बह रहा है सोना

इस्लामाबाद, एजेंसीः पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने राज्य की प्राकृतिक संपदा को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की पांच नदियों में सोना बह रहा है। उनके इस बयान ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। मरियम नवाज ने पंजाब की जमीन को प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बताते हुए कहा कि यहां की नदियों में सोने की मौजूदगी है। उनके अनुसार, प्रांत की पांच नदियों में सोना पाया जाता है। इस दावे के बाद पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में मौजूद प्राकृतिक संसाधनों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में पंजाब की भौगोलिक और प्राकृतिक संपदा की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि यहां की जमीन में पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। पांच नदियों में सोना बहने का उनका दावा इस क्षेत्र के संसाधनों को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पाकिस्तान का पंजाब प्रांत पांच नदियों के क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यहां की नदियां और उपजाऊ जमीन क्षेत्र की पहचान का प्रमुख हिस्सा हैं। मरियम नवाज के बयान ने अब इन नदियों में सोने की मौजूदगी को लेकर भी लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री के इस दावे के बाद यह सवाल भी चर्चा में है कि नदियों में सोने की मात्रा कितनी है और इसका पता लगाने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में सोने की मात्रा, उसके भंडार या संभावित खनन को लेकर कोई विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है।

चंद्रशेखर और ओवैसी का गठबंधन, सभी 403 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव



नईदुनिया ब्यूरो, लखनऊः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने गठबंधन का ऐलान किया है। दोनों दलों ने अपने गठबंधन को सामाजिक परिवर्तन मोर्चा नाम दिया है। यह मोर्चा प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। गठबंधन की ओर से चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। गुरुवार को लखनऊ में आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में ओवैसी ने कहा कि भाजपा को रोकने के लिए उनका मोर्चा एक मजबूत विकल्प बनेगा। उन्होंने चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने की घोषणा की। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि यह तीसरा मोर्चा नहीं, बल्कि पहला मजबूत मोर्चा होगा। उन्होंने बताया कि बड़े गठबंधन में शामिल होने की कोशिश की गई थी, लेकिन उन्हें कमजोर समझा गया। इसके बाद दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी करीब 19 प्रतिशत और दलित आबादी लगभग 21 प्रतिशत है। इस तरह दोनों समुदायों की कुल आबादी करीब 40 प्रतिशत है। गठबंधन की नजर इन मतदाताओं पर रहेगी। इसके राजनीतिक प्रभाव से समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के मतों पर भी असर पड़ सकता है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन का स्वागत किया है।

जासूसी का आरोप, पूर्व राष्ट्रपति के करीबी तीन अधिकारी गिरफ्तार

जकार्ता, एजेंसीः इंडोनेशिया में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की फोन पर बातचीत की निगरानी कर जासूसी करने की कोशिश का मामला सामने आया है। इस मामले में पूर्व पुलिस प्रमुख लिस्त्यो सिगित समेत तीन वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

ये अधिकारी पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो यानी जोकोवी के करीबी माने जाते हैं।

इसी बीच गुरुवार को जोकोवी के बेटे और उपराष्ट्रपति गिब्रान राकाबुमिंग राका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी शैक्षणिक योग्यता से जुड़े दस्तावेजों पर सवाल उठ रहे थे। उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी भी शुरू हो गई थी। इंडोनेशिया के पुलिस प्रमुख जनरल सुयुडी आरियो सेटो ने संसद में बताया कि राष्ट्रपति के अलावा कई वरिष्ठ नेताओं, सरकारी अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के फोन तथा बातचीत की भी गैरकानूनी तरीके से निगरानी की गई थी। यह जासूसी वर्ष 2025 से 2026 के बीच हुई। उस समय लिस्त्यो देश के पुलिस प्रमुख थे। पुलिस के अनुसार, राष्ट्रपति की बातचीत की रिकॉर्डिंग मिटाने का प्रयास भी किया गया। जांच में सामने आया कि पुलिस के कानूनी विभाग के प्रमुख अहरी सोंता नसुतियोन ने अक्टूबर में राष्ट्रपति की बातचीत की रिकॉर्डिंग हटाने की अनुमति मांगी थी।

विज्ञान *पृथ्वी की निचली कक्षा में हुए विस्फोट का असर कई दिनों तक रह सकता है, अंतरिक्ष में बढ़ेगा खतरा...*

अंतरिक्ष में परमाणु विस्फोट से तबाह हो सकते हैं 99% उपग्रह



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः अंतरिक्ष में परमाणु विस्फोट होने की स्थिति में पृथ्वी की निचली कक्षा में मौजूद लगभग 99 प्रतिशत उपग्रह नष्ट हो सकते हैं। एक नए आकलन के अनुसार, कक्षा में किया गया ऐसा विस्फोट कुछ ही दिनों में उपग्रहों के बड़े हिस्से को बेकार कर सकता है। इससे अंतरिक्ष में मौजूद संचार, निगरानी और अन्य सेवाओं पर गंभीर असर पड़ने का खतरा है। पृथ्वी की निचली कक्षा में बड़ी संख्या में उपग्रह काम कर रहे हैं। इनका उपयोग संचार, मौसम की जानकारी, पृथ्वी की निगरानी और विभिन्न तकनीकी सेवाओं के लिए किया जाता है। ऐसे में इस क्षेत्र में परमाणु विस्फोट होने से अंतरिक्ष में मौजूद उपग्रहों का बड़ा नेटवर्क प्रभावित हो सकता है। परमाणु विस्फोट के बाद अंतरिक्ष में फैलने वाला विकिरण उपग्रहों के संवेदनशील उपकरणों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके प्रभाव से उपग्रहों की कार्यक्षमता समाप्त हो सकती है। एक साथ बड़ी संख्या में उपग्रहों के खराब होने से उन पर निर्भर सेवाएं भी बाधित हो सकती हैं। इस तरह की घटना का असर केवल विस्फोट के तत्काल बाद तक सीमित नहीं रहेगा। अंतरिक्ष में उत्पन्न विकिरण और उससे प्रभावित परिस्थितियां कई दिनों तक उपग्रहों के लिए खतरा बनी रह सकती हैं। इससे पृथ्वी की निचली कक्षा में काम कर रहे उपग्रहों को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती बन सकता है। वर्तमान समय में दुनिया की कई महत्वपूर्ण सेवाएं उपग्रहों पर निर्भर हैं। संचार व्यवस्था, मौसम संबंधी पूर्वानुमान, दिशा बताने वाली प्रणालियां और पृथ्वी से जुड़ी निगरानी गतिविधियों में इनकी अहम भूमिका है। यदि बड़ी संख्या में उपग्रह एक साथ काम करना बंद कर दें, तो इन सेवाओं पर व्यापक असर पड़ सकता है। अंतरिक्ष में परमाणु विस्फोट की आशंका इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है, क्योंकि पृथ्वी की निचली कक्षा में उपग्रहों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वहां होने वाली किसी बड़ी घटना से अंतरिक्ष आधारित प्रणालियों को लंबे समय तक नुकसान पहुंच सकता है।